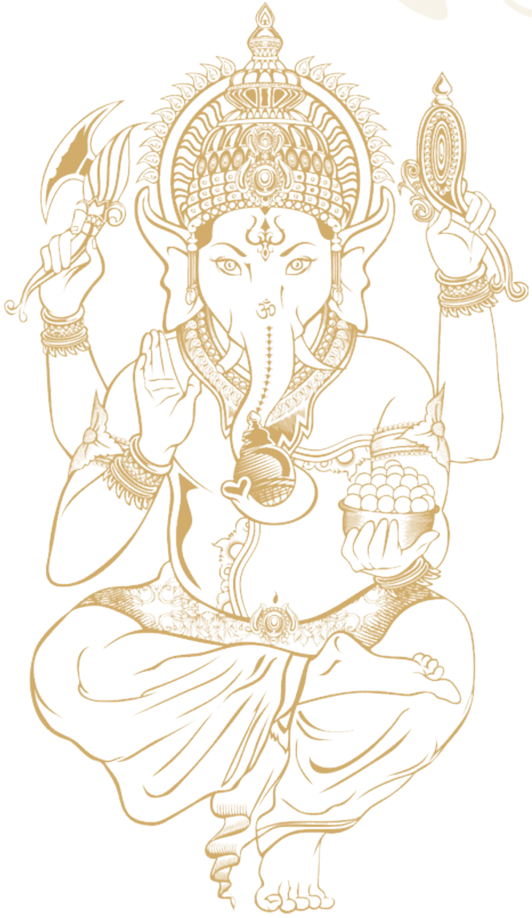

Abc

Xyz

Model: Horoscope-Matching **Order No: 121242901**

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/02/2026	जन्म तिथि	11/02/2026
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 14:51:00	जन्म समय	14:51:00 घंटे
घटी 19:29:50	जन्म समय(घटी)	19:29:50 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:03:03	सूर्योदय	07:03:03
18:08:02	सूर्यास्त	18:08:02
24:13:26	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:26
मिथुन	लग्न	मिथुन
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
वृश्चिक	राशि	वृश्चिक
मंगल	राशि-स्वामी	मंगल
ज्येष्ठा	नक्षत्र	ज्येष्ठा
बुध	नक्षत्र स्वामी	बुध
1	चरण	1
व्याघात	योग	व्याघात
वणिज	करण	वणिज
नो-नौनिहाल	जन्म नामाक्षर	नो-नोनी
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
विप्र	वर्ण	विप्र
कीटक	वश्य	कीटक
मृग	योनि	मृग
राक्षस	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	सर्प

Future Point Pvt. Ltd.
A-3, Ring Road, South Ex Part 1 New Delhi - 110049
7401508000
narayan.sahani@futurepointindia.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 14वर्ष 5मा 27दि		17:05:37	मिथु		लग्न		मिथु	17:05:37	**बुध 14वर्ष 5मा 27दि**	
बुध		28:25:42	मक		सूर्य		मक	28:25:42	**बुध**	
11/02/2026		18:38:03	वृश्चि		चंद्र		वृश्चि	18:38:03	**11/02/2026**	
09/08/2040		20:39:13	मक		मंगल		मक	20:39:13	**09/08/2040**	
	11/02/2026	13:23:15	कुंभ		बुध		कुंभ	13:23:15		11/02/2026
केतु	03/01/2027	22:06:03	मिथु	व	गुरु	व	मिथु	22:06:03	केतु	03/01/2027
शुक्र	03/11/2029	06:58:44	कुंभ		शुक्र		कुंभ	06:58:44	शुक्र	03/11/2029
सूर्य	09/09/2030	05:29:27	मीन		शनि		मीन	05:29:27	सूर्य	09/09/2030
चन्द्र	08/02/2032	14:53:29	कुंभ	व	राहु	व	कुंभ	14:53:29	चन्द्र	08/02/2032
मंगल	05/02/2033	14:53:29	सिंह	व	केतु	व	सिंह	14:53:29	मंगल	05/02/2033
राहु	25/08/2035	03:15:34	वृष		हर्षे		वृष	03:15:34	राहु	25/08/2035
गुरु	30/11/2037	06:13:23	मीन		नेप		मीन	06:13:23	गुरु	30/11/2037
शनि	09/08/2040	09:47:53	मक		प्लूटो		मक	09:47:53	शनि	09/08/2040

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

24:13:26 चित्रपक्षीय अयनांश 24:13:26

लग्न-चलित

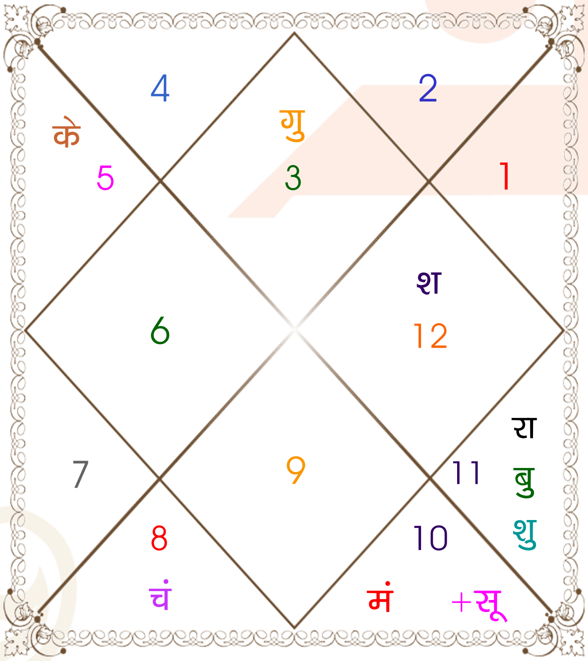

लग्न-चलित

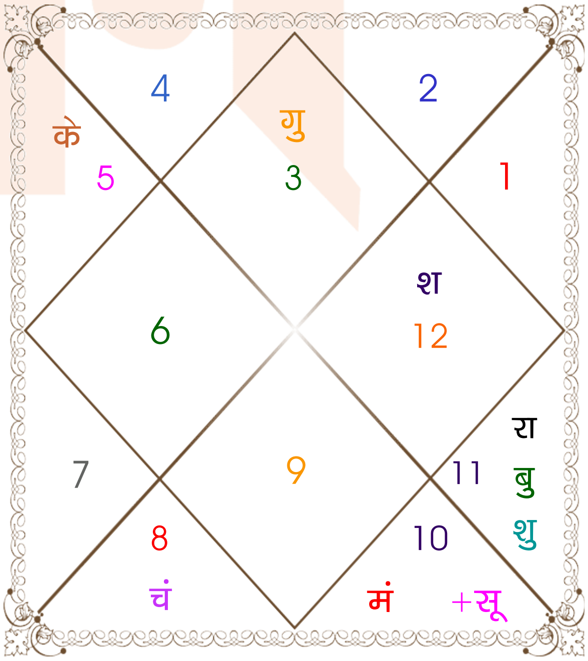

Future Point Pvt. Ltd.
A-3, Ring Road, South Ex Part 1 New Delhi - 110049
7401508000
narayan.sahani@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

कुल : **28 / 36**

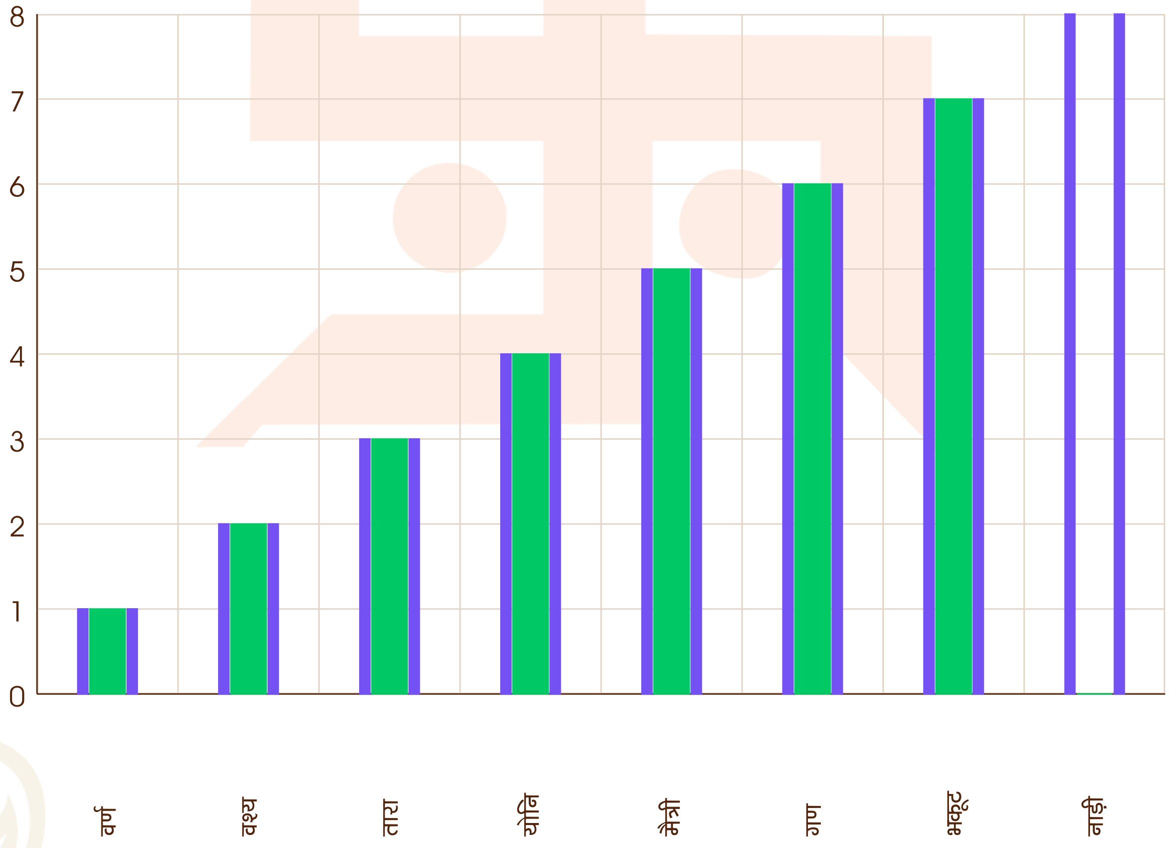

Future Point Pvt. Ltd.
A-3, Ring Road, South Ex Part 1 New Delhi - 110049
7401508000
narayan.sahani@futurepointindia.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के एक ही नक्षत्र एवं एक ही चरण है।

Abc का वर्ग सर्प है तथा Xyz का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Abc और Xyz का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Abc मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Abc कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Xyz मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Xyz कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Abc तथा Xyz में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Abc का वर्ण ब्राह्मण तथा Xyz का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

Abc का वश्य कीट है एवं Xyz का वश्य भी कीट है। अर्थात दोनों का वश्य समान है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। । दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार तथा पसंद/नापसंद एक जैसे होंगे। पति-पत्नी के बीच अगाध प्रेम बना रहेगा। फिर भी दोनों को डंक मारने की आदत बनी रह सकती है। यदा-कदा दोनों के बीच घमासान लड़ाई भी हो सकती है तथा ये एक-दूसरे को शारीरिक नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। अधिकतर समय ये कर्त्तव्यपरायण एवं जिम्मेवार प्रवृत्ति के होंगे तथा इनमें आपसी समझ एवं सद्भाव का बाहुल्य बना रहेगा। इनके बच्चे थोड़े आक्रामक किंतु आज्ञाकारी एवं कर्त्तव्यपरायण होंगे।

तारा

Abc की तारा जन्म तथा Xyz की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Abc की योनि मृग है तथा Xyz की योनि भी मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सझम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Abc एवं Xyz दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Abc एवं Xyz दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Abc का गण राक्षस है तथा Xyz का गण भी राक्षस है। अर्थात Xyz का गण Abc के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Abc एवं Xyz दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Abc एवं Xyz दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Abc एवं Xyz तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

Abc की नाड़ी आद्य है तथा Xyz की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Abc एवं Xyz दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Abc और Xyz की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य स्वाभाविक समानताएं विद्यमान होंगी जिससे परस्पर दाम्पत्य संबंध मधुर रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Abc और Xyz की राशि का स्वामी मंगल है। अतः Abc और Xyz के मध्य मित्रता पूर्वक संबध स्थापित रहेंगे। वे एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा गलतियों के प्रति क्षमाशीलता का दृष्टिकोण रहेगा। इससे वे दोनों सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। वे एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा एवं सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इससे वैवाहिक जीवन में अप्रिय स्थितियों से हमेशा सुरक्षित रहेंगे।

Abc और Xyz की राशियां परस्पर प्रथम-प्रथम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Abc और Xyz एक दूसरे के आस्तित्व को सम्मान पूर्वक स्वीकार करेंगे तथा दैनिक जीवन में एक दूसरे के कार्यो में हस्तक्षेप कम ही करेंगे। अपनी इस प्रवृति से उनके दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना से सुख शांति पूर्वक अपना सुखी वैवाहिक जीवन का उपभोग करेंगे।

Abc एवं Xyz दोनों का वश्य कीट है। अतः इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। अतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में भी समर्थ रहेंगे।

Abc एवं Xyz दोनों का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इनकी प्रवृति शैक्षणिक धार्मिक तथा सत्कार्यो के प्रति रहेगी तथा कार्य क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार कार्य क्षमता में समानता के कारण किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा ।

धन

Abc और Xyz का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Abc और Xyz सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Abc को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Abc और Xyz दोनों एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा जिससे इनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। इसके प्रभाव से दम्पति धातु या गुप्त रोगों से परेशानी की अुभूति करेंगे तथा Xyz भी रक्त या पित कष्टों को प्राप्त करेंगी। साथ ही मंगल के प्रभाव से भी Abc हृदय रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे तथा यदा कदा संभोग शक्ति की शिथिलता की भी अनुभूति कर सकते है। इससे दाम्पत्य जीवन में अशांति का वातावरण होगा। अतः दोनों को अपने स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा उपरोक्त दुष्प्रभावों की शांति के लिए हनुमानजी की उपासना एवं मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Abc और Xyz का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Abc और Xyz के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Xyz के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Xyz को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Xyz को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Abc और Xyz सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Abc और Xyz का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Xyz तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Xyz धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Xyz के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव

रहेगा।

इस प्रकार Xyz का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

Abc तथा सास के संबधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगी। यदि Abc तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में Abc के संबध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा। साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगे। साथ ही वे भी Abc को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगे। Abc समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण Abc के प्रति अनुकूल ही रहेगा।